प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

जल विज्ञान पर रिफ्रेशर पाठ्यक्रम का समापन

पंतनगर। २२ जनवरी २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी महाविद्यालय तथा राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एन.आई.एच.), रूड़की, द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किये गये रिफ्रेशर पाठ्यक्रम 'बाढ़ों का जलविज्ञान' का समापन पंतनगर विश्वविद्यालय में हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस पाठ्यक्रम के आयोजन में विश्वविद्यालय ने पश्चिमी क्षेत्रीय हिमालय केन्द्र, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, जम्मू, से भी सहयोग लिया।

कुलपति, प्रो. मिश्रा ने उत्तराखण्ड, जम्मू-कश्मीर, चेन्नई एवं बैंगलौर में पिछले वर्षों में आयी भयानक बाढ़ के संदर्भ में इस पाठ्यक्रम को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बाढ़ों के विज्ञान का गहन अध्ययन करना चाहिए तथा इस ज्ञान से विश्व के वैज्ञानिकों व अभियंताओं को शिक्षित किया जाना चाहिए, ताकि बाढ़ों का सफल प्रबंधन किया जा सके। प्रशिक्षण में विभिन्न विषयों के वैज्ञानिकों की भागिदारी को उन्होंने सराहनीय बताया तथा आशा प्रकट की कि सभी के समन्वित प्रयास से बाढ़ की चुनौतियों से निपटा जा सकेगा।

इस अवसर पर आई.आई.टी. रूड़की के जल विज्ञान विभाग के प्राध्यापक, डा. एम. पेरूमाल; आई.आई.टी. दिल्ली के प्राध्यापक, डा. सी.टी. धान्या; एवं अधिष्ठाता, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, डा. एच.सी. शर्मा, ने भी अपने विचार प्रकट किये। पंतनगर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्राध्यापक, डा. एच.जे. शिव प्रसाद; एवं पाठ्यक्रम समन्वयक, डा. ज्योति प्रसाद, भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस पाठ्यक्रम में १९ राज्यों के २९ संस्थानों से ३५ वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम में आई.आई.टी. रूड़की, आई.आई.टी. खडकपुर, आई.आई.टी. दिल्ली, आई.आई.एससी, बैंगलौर, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रूडकी तथा पंतनगर विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिये। प्रतिभागियों को हरिद्वार, ऋषिकेश, टनकपुर, बनबसा, काठगोदाम, भीमताल, सातताल, नैनीताल, इत्यादि स्थानों पर विभिन्न नदियों एवं झीलों पर चलाये जा रहे बाढ़ नियंत्रण कार्यक्रमों का भ्रमण भी कराया गया।

रिफ्रेशर पाठ्यक्रम के समापन सत्र में प्रतिभागियों को सम्बोधित करते कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा।